for the cost of the damaged crops. I have initiated that. I have taken steps in that direction. I am very thankful to the hon. Members who have put this question. Otherwise, I was also sleeping.

DR. BIPLAB DASGUPTA: Have you educated the farmers that they do not need to use more than what is required?

SHRI CHATURANAN MISHRA: Education of farmers is going on. But we should also take some punitive action against erring companies. So far as education of farmers is concerned, we are asking the State universities also to work for that. Some schemes have already been worked out. I have stated this in my reply. We have given Rs. 50 lakhs for each biocontrol laboratory. We have given Rs. 30 lakhs for building and Rs. 20 lakhs for equipment. We have just started this. We have not yet been able to do this in the whole country. I have just stated that. As far as training programmes are concerned, I have arleady given the details in my reply as to how much has been done. I agree that we have to do much more.

डा. वाई. लक्ष्मी प्रसाद : धन्यवाद, सभापति महोदय । मंत्री जी ने अपने उत्तर के अनुबंध में अनाज,गन्ने और रूई के बारे में बताया हैं लेकिन आम के बारे में, मैंगो क्रॉप के बारे में उन्होनें नहीं बताया है । Sir, you know very well that the Andhra mango is famous world-wide. Despite crores of rupees being spent on production of mango and despite environment-friendly pest control measures being practised, production of mango has not been up to the mark. There is enormous potential for mango export but due to lack of technology it is not being exploited. The major drawbacks responsible for inadequate export of mango are excess and indiscriminate use of pesticides and organic chemicals. Consumers in the European market reject food item forthwith if they smell chemicals in them. So, my question is whether the problems of mango farmers are proposed to be solved by introduction of environment-friendly pest control measures so that there is a boost to mango export? Alsb, will the scientists be urged to help overcome the problems of mango farmers?

SHRI CHATURANAN MISHRA: Surely, Sir. It is in our scheme. Perhaps three or four days back it came out in the Press about the Andhra mango. I have directed DG, ICAR to look into it. We will certainly help them. But there are certain diseases for which the anti-virus and other such drugs are not yet ready. We are producing them. In the case of mango, it is being tried. We will do jt.

मऊ शाहगंज रेलवे लाइन के आमान परिवर्तन के उद्घाटन को स्थगित किया जाना

*283.**श्री मोहम्मद मसूद खान :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मऊ शाहगंज रेवले लाइन के आमान परिवर्तन के उद्घाटन कार्यक्रम को, जो 18 फरवरी, 1994 को होना था,स्थगित किए जाने के कारण क्या हैं, और

(ख) उसका उद्घाटन कब होगा और इस लाइन पर कौन-कौन सी साधारण (पैसेंजर) तथा एक्सप्रेस रेलगाड़ियां कहां से कहां तक चलाए जाने का विचार है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज) : (क(प्रश्न में उल्लिखित उद्घाटन की तिथि कभी भी निर्धारित नहीं की गई थी ।

(ख) उद्घाटन की तिथि 27.03.1997 रखी गई हैं । जहां तक सेवांए चलाने की संबध हैं, प्रारम्भ में मऊ और शाहगंज के बीच 2 जोड़ी पैसेंजर शटर शुरू करने का प्रस्ताव है।

श्री मोहम्मद मसूद खान : मुह्तरम, मंत्री जी का बहुत-बहुत शुक्रिया कि उन्होनें वक्त से पहले तो लाईन बनवा दी है लेकिन अब कह रहे हैं कि 18 फरवरी नहीं...ईश दत्त यादव यहां नहीं हैं ... हम लोगों को फरवरी में एजेंडा मिला था, मंत्री जी का प्रोग्राम मिला था कि मंत्री जी को शाहगंज में उद्घाटन करना है । बहरहाल मेरा सवाल यह है कि लाइन तो बन गई हैं लेकिन अगर ट्रेन चालू होती तो लोगों को आमदरफ्त की जो सहूलियत थी, वह मिलती और रेलवे को पैसा मिलता । आखिर लाईन बनने के बाद इतना डिले करने की क्या जरूरत है ? अगर कोई मौका नहीं हैं तो कोई ऐसा सिस्टम रेलवे को इस्तेमाल करना चाहिए टेलीविज़न के

ज़रिए या किसी और ज़रिए से कि हमने हरी झंडी दिखा दी । मान्यवर, दिक्कत हम लोगों को यह हो रही है कि जौनपुर सिटी एक ऐसा स्टेशन हैं जहां से ज्यादा ट्रेने जाती हैं । दो साल हो गए वहां रिटायरिंग रूम बने हुए लेकिन उसका उद्घाटन नहीं हुआ है और हम लोग उसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं । हालांकि उसका उद्घाटन मंत्री जी को नहीं करना हैं, किसी आफिसर को करना है तो आप क्या कोई ऐसा ज़रिया इस्तेमाल करेंगे कि जो रेलवे के पैसे का नुकासान हो रहा है, जो हम लोगों की आमदरफ्त की सहूलियत का नुकसान हो रहा है, तकलीफ हो रही हैं,उसे दूर करने के वास्ते जल्दी से जल्दी उद्घाटन करने की कोई तरकीब निकालेंगे ?

शری محمد مسعود خان: محترم منتری جی کا بہت بہت شکریہ کہ انہوں نے وقت سے پہلے تو لائن بنوادی ہے ۔لیکن اب کہہ رہے ہیں کہ 18 فروری نہیں 100 یش دت یادو یہاں نہیں ہیں1000 ہم لوگوں کو فروری میں ایجنڈا ملا تھا منتری جی کا پروگرام ملا تھا کہ منتری جی کو شاہ گنج میں ادگھاٹن کرنا ہے۔ بہرحال میرا سوال یہ ہے کہ لائن تو بن گئی ہے لیکن اگر ٹرین چالو ہوتی تو لوگوں کو آمد ورفت کی جو سہولیت تھی وہ ملتی اور ریلوے کو پیسہ ملتا۔آخر لائن بننے کے بعد اتنا ڈلے کرنے کی کیاضرورت ہے۔ اگر کوئی موقع نہیں ہے۔ تو کوئی ایسا سسٹم ریلوے کو استعمال کرنا چاہئے ٹیلویژن کے ذریعہ یا کسی اور ذریعہ سے کہ ہم نے ہری جھنڈی دکھا دی۔ مانیہ ور دقت ہم لوگوں کو ہو رہی ہے

کہ جونپور سٹی ایک ایسا اسٹیشن ہے جہاں سے زیادہ ٹرینیں جاتی ہیں۔ دو سال ہو گئے وہاں ریٹائرنگ روم بنے ہوئے لیکن انکا ادگھاٹن نہیں ہوا ہے اور ہم لوگ اسکا استعمال نہیں کر پا رہے ہیں۔ حالانکہ اس کا ادگھاٹن منتری جی کو نہیں کرنا ہے۔ کسی آفیسر کو کرنا ہے تو آپ کیا کوئی ایسا ذریعہ استعمال کرینگے کہ جو ریلوے کے پیسے کا نقصان ہو رہا ہے۔ جوہم لوگوں کی آمد و رفت کی سہولیت کا نقصان ہو رہا ہے۔ تکلیف ہو رہی ہے ا سے دور کرنے کے واسطے جلدی سے جلدی ادگھاٹن کرنے کی کوئی ترکیب نکالیں گے۔

रेल मंत्री (श्री रात विलास पासवान): सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने सही कहा है कि यह जो रेलवे लाइन हैं, इसके गेज कनवर्ज़न का काम समय के मुताबिक पूरा हो गया हैं। 18 दिसम्बर से उस पर गुड्ज़ ट्रेन्स चलनी भी शुरू हो गई है लेकिन जब हम कोई पैसेंजर गाड़ी चलातेहैं तो उसके लिए हमें कमिश्नर फार रेलवे, सेफ्टीज, जो रेलवे का नहीं होता हैं, इंडिपेंडेट होता हैं,उससे हमें क्लीयरेन्स लेनी पड़ती हैं । यह बात भी सही है कि हम चाहते थे कि फरवरी में हम इसे शुरू कर दें लेकिन पार्लियामेंट में बिजी होने के कारण, चूंकि माननीय सदस्य ने यह बात कही, हम लोग बहुत सारी गाडियां चला देते हैं, कोई जरूरी नहीं है कि मिनिस्टर उसमें जाए, चुनाव के समय में अक्टुबर में हमने जितनी गाड़ियों की घोषणा की थी, उसमें हमने स्पष्ट आदेश दे दिया था किजो फोर्थ ग्रेड के इम्प्लाज़ हैं, वे झंडी दिखा कर गाड़ी शुरू करा देंगे और यह गाड़ी 1 अक्टुबर से शुरू हो भी गई । कुछेक चीजें ऐसी हैं जिसमें माननीय सदस्य चाहते हैं कि मंत्री भी रहें तो अच्छा हो । तो उसके लिए हम लोग टाईम को एडजस्ट करने की कोशिश करते हैं । इस मामले में 4 तारीख कमिश्नर फार रेलवे

†[] Trabstuteration in Arabic Script

सेफ्टी का इंस्पैक्शन था, क्योंकि उनकी क्लीयरेंनस के बगैर हम गाड़ी नहीं चला सकते हैं।

उन्होनें उसमें थोड़ी सी कमी निकाली और उस डिफैक्टर को दूर करने में समय लग गया। उसके बाद हम लाचार हो गये। लेकिन मैं माननीय संसद सदस्य का शुक्रगुज़ार हूं कि उन्होनें अपना प्रश्न पूछा। 27 तारीख की डेट भी उससे पहले से ही हम चाहते थे चूंकि वहां के काफी लोग संसद सदस्य हैं और वह भी उसमें भाग लेना चाहेंगे। यह बहुत इम्पोटेंट लाइन हैं और इससे काफी दूरी कम हो गयी है। इसलिए 27 तारीख की डेट फिक्स कर दी गयी हैं लेकिन किसी भी मंत्री के कारण या मंत्री के द्वारा उद्घाटन नहीं हो,उसकी वजह से काई प्रोजेक्ट, कोई रेवले लाइन या कोई ट्रेन रूकी रहें, मैं इसके खिलाफ हूं और मैं इसका ध्यान रखूंगा।

श्री मोहम्मद मसूद खानः बहुत-बहुत शुक्रिया। दूसरे, मंत्री जी ने यह जवाब दिया कि पहले शटल ट्रेन यानी पैसेंजर ट्रेन चलेगी। मै मंत्री जी का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि दिल्ली, कलकत्ता,मुम्बई की हमारी एक सदस्या श्रीमती चन्द्रकला पांडेय जी हैं, उनका मायका आज़मगढ़ में हैं और सिर्फ बड़ी लाइन की सहूलियत न होने की वजह से, आमदरफ्त की सहूलियत न होने की वजह से उनकी बड़ी दुश्वारी हो रही है। मैं मंत्री जी को सुझाव देना चाहती हुं कि जो गाडियां मऊ से बनारस होकर शाहगंज कर दें तो उसी टाइम में पैसेंजर ट्रेन की हैसियत से धीरे-धीरे चलते हुए भी वह पहले शाहगंज पहुंच जाएगी। इसके अतिरिक्त मैं मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि दिल्ली,कलकत्ता और मुम्बई के बेशुमार लोग मंत्री जी की तरफ देख रहे है कि कब यहां की ट्रेने चलने लगे जिससे मंत्री जी से मेरा निवेदन है कि मंत्री जी ऐक्सप्रेस ट्रेन शुरू कर दें और जब तक ऐस्प्रैस ट्रेन नहीं चलती, वह ऐक्सप्रैस ट्रेन जो मऊ से बनारस होकर शाहगंज जाती हैं, उसको डायरैक्ट मऊ से शाहगंज, पैसेंजर ट्रेन की हैसियत से ले जाकर, कम वक्त में आप सर्विस करवा सकते हैं क्या इस पर आप गौर करेंगे

شری محمد مسعود خان: بہت بہت شکریہ دوسرے منتری جی نے یہ جواب دیا کہ پہلے شٹل ٹرین یعنی پیسنجر ٹرین چلیگی۔ میں منتری جی کا دھیان اس اور دلانا چاہتا ہوں کہ دہلی۔ کلکتہ۔ ممبئی کی ہماری ایک سدسیا شری متی چندرکلا پانڈے جی ہیں۔ انکا میکا اعظم گڑھ میں ہے اور صرف بڑی لائن کی سہولیات نہ ہونے کی وجہ سے آمد ورفت کی سہولیت نہ ہونے کی وجہ سے ان کو بڑی دشواری ہو رہی ہے میں منتری جی کو سجھاؤ دینا چاہتا ہوں کہ جو گاڑیاں مئو سے بنارس ہو کر شاہ گنج لے جاتی ہے۔ اسکو اگر آپ ڈائریکٹ مئو سے شاہ گنج کر دیں تو اسی ٹائم میں پیسنجر ٹرین کی حیثیت سے دھیرے دھیرے چلتے ہوئے بھی وہ پہلے شاہ گنج پہنچ جائیگی۔ اسکے علاوہ مینمنتری جی سے نویدن کرنا چاہتا ہوں کہ دہلی۔ کلکتہ ممبئی کی لکھتے ہی بے شمار لوگ منتری جی کی طرف دیکھ رہے ہیں کہ کب یہاں کی ٹرینیں چلنے لگیں۔ جس سے ہم لوگ سہولیت سے اپنے گھر پہنچ جائیں۔ منتری جی سے میرا نویدن ہے کہ منتری جی ایکسپریس ٹرین کب سے شروع کر دینگے اور جبتک ایکسپریس ٹرین نہیں چلتی وہ ایکسپریس ٹرین جو مئو سے بنارس ہو کر شاہ گنج جاتی ہے اسکو ڈائریکٹ مئو سے شاہ گنج پیسنجر ٹرین کی حیثیت سے لے جاکر کم وقت میں آپ سروس کرا سکتے ہیں۔ کیا اسپر آپ غور کرینگے۔

†[ ]Translitcration in Arabic Script

श्री राम विलास पासवानः जो वर्तमान गाड़ियां चल रही है उनके रूट के परिवर्तन के बारे में जो आपने कहा हैं, निश्चित रूप से इसके ऊपर हम विचार करेंगे । लेकिन जब हम किसी चीज़ पर विचार करते हैं तो जिस तरफ से वह गाड़ी चलती हैं,उस रूट में अगर गाड़ी बंद हो जाती है या डायवर्ट किया जाता है तो उस रूट के लोगों को थोड़ा दुख लगता है । हम उनको कनवीस करने की कोशिश करेंगे, जिससे कम से कम समय में गाड़ी जाएं । दूसरा जो आपने कहा है, अभी तो दो पैसेंजर ट्रेनों का हमने निर्णय किया है,इसके बाद तीन करने का भी विचार कर रहे है। लेकिन जैसा मैंने कहा कि यह बहुत इम्पोर्टेंट रूट हैं, निश्चित रूप से हम बजट में, क्योकि अभी हमारे पास जितनी कैपेसिटी हैं, उसको देखते हुए हमने अपने बजट भाषण में अनांउस भी किया हैं, लेकिन हमारे पास निश्चित रूप से जब कोचिज सुविधा हो जाएगी तो जो आपने सुपर फास्ट ट्रेन या रफ्तार से चलने वाली गाड़ी के लिए कहा हैं, उस हम विचार करेंगे।

MR. CHAIRMAN: Q.No. 284 — Shri S. Muthu Mani, not present; Q.No. 285 — Shrimati Kamla Sinha, not present; Q.No. 286 — Shri Narendra Mohan, not present; Q.No. 287 — Shri Gundappa Korwar,, not present.

*284 [The Ques Uones (Shri S. Muthu Mani) was absent. For answer vide column.... *infra]*

*285 [The Questiones (Smt. Kamla Sinha) was absent. For answer vide colum-n... .*infra]*

*286 [The Questiones (Shri Narendra Mohan) was absent. For answer vide column.... *infra]*

*287 [The Questiones (Shri Gundappa Korwar) was absent. For answer vide column.... *infra]*

SHRI AJIT P.K. JOGI: A sort of record is being created today.

MR. CHAIRMAN: Q.No. 288 — Dr. Y. Lakshmi Prasad.

Out-of-turn Allotment of Rail Travellers Service agents

*288. DR. Y LAKSHMI PRASAD: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether "out-of-turn allotment" of Rail traveller service agents licences in Hyderabad and other places has been reported in "Deccan Chronicle" (Hyderabad edition), dated the 2nd February, 1977;

(b) if so, the details therof; and

(c) the reaction of the Government thereto?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI RAM VILAS PASWAN): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) The News-item relates to appointment of Rail Travellesrs' Service Agents on South Central Railway alleging irregularities in their appointments and failure to finalise appointments in response to advertisements invited in January, 1996. If also states misuse of licences by some agents.

(c) After the formulation of Authorisa tion of Rail Travellers, Service Agents Rules, 1985, 17 Rail Travellers' Service Agents were appointed by South Central Railway. At present 20 Rail Travellers' Service Agents are functioning on South Central Railway which includes some cases granted of the instance of the Ministry of Railways subject to fulfilment of prescribed conditions stipulated in the Authorisation of Rail Travellers' Service Agents Rules, 1985.

In January, 1996 application for appointing additional Rafl Traveller' Service Agents were invited. Selection process has been completed for appointment of 31 additional Rail Travellers' Service Agents.

As regards misue of licences, surprise checks are conducted by Zonal Railways